IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बच्चों की पालन.पोषण शैली और शैक्षणिक प्रदर्शनरू एक अध्ययन पटना जिले में कामकाजी माता.पिता

डॉ अजय कुमार

एसोसिएट प्रोफेसरए एच॰ओ॰डी॰ मनोविज्ञान विभागए जे॰जे॰कॉलेज आराए वी॰के॰एस॰यू॰ए आरा

साररू कई कारक बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करते हैं और पालन.पोषण की शैली एक महत्वपूर्ण कारक है। वर्तमान अध्ययन पटना जिले में बच्चों की पालन.पोषण शैलीए शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच के उद्देश्य से किया गया है। इस अध्ययन में पांच प्रकार की पालन.पोषण शैली और बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन की जांच की गई। यह वर्णनात्मक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए एक मात्रात्मक अध्ययन है। नमूने पटना जिले की एक नगर पालिका से स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण और लॉटरी तकनीक का उपयोग करके एकत्र किए जाते हैं। इस अध्ययन में वर्णनात्मक आँकड़ों का उपयोग किया गया और अध्ययन के नतीजे से यह निष्कर्ष निकला किए बच्चों की प्रतिभा को पहचानने और उनका मार्गदर्शन करने में माता.पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। माता.पिता और बच्चों के बीच सकारात्मक समझ और घनिष्ठ संबंध की सिफारिश की जाती है। इसलिएए यह सुझाव दिया जाता है कि अच्छी पालन.पोषण शैली और माता.पिता की अपने बच्चों के साथ उचित बातचीत के तरीकों को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। कामकाजी माता.पिता को अपने बच्चों को अच्छा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्रदान करके बेहतर शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करने के लिए अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना चाहिए।

कीवर्डरू पालन.पोषण शैलीए शैक्षणिक प्रदर्शनए बच्चेए कामकाजी माता.पिता

परिचय

पेरेंटिंग शैली को माता.पिता द्वारा अपने बच्चे की भावनाओं पर प्रतिक्रिया और प्रतिक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है। एक अभिभावक के रूप मेंए आपकी पालन.पोषण शैली इस बात से संबंधित है कि आप भावनाओं के बारे में कैसा महसूस करते हैं। माता.पिता और बच्चे के संबंध की शुद्ध गुणवत्ता को अक्सर पालन.पोषण शैलियों के ढांचे के भीतर अवधारणाबद्ध किया जाता है। परिवार समाज की नींव और महत्वपूर्ण संरचना है जिसकी व्यक्ति के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। एक सामाजिक संरचना के रूप में परिवार का महत्व कुछ असंदिग्ध है। एक बच्चे पर परिवार का प्रभाव और रचनात्मकताए सामाजिकए सांस्कृतिक और नैतिक पहलुओं में इसकी भूमिका एक स्वस्थ समाज के अस्तित्व के लिए बहुत असीमित और महत्वपूर्ण है। इसलिए परिवार कई मायनों में एक बेहतर समाज बनाने में मदद करता है ;ब्लूस्टोनए 1999द्ध। माता.पिता और उनके बच्चों के बीच सही और संतुलित बंधन उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित करने वाले पहलुओं में से एक है ;मिलेव्स्कीए 2007द्ध। प्रारंभिक अध्ययनों से पता चला है कि बच्चों और माता.पिता के बीच संचार और माता.पिता बच्चों के साथ कैसे बातचीत करते हैंए इसे बच्चों के पालन.पोषण और स्वस्थ चरित्र को प्रभावित करने वाले विभिन्न तत्वों में सबसे आवश्यक और महत्वपूर्ण कारक माना जाता है ;बाउमरिंडए 1991द्धए ;ममतए 2011द्धए ; किम्बलए 2014द्ध और ;एलेक्सए 2018द्ध। इन अध्ययनों में पालन.पोषण की शैलियों और बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ उनके संबंध की जांच की गई। ये शोध

उस आधिकारिक पालन.पोषण को कहते हैंए जिसे उन लोगों के रूप में परिभाषित किया गया है जो अपनी संतानों के प्रति उत्तरदायी और मांग करने वाले हैं और जिन्होंने अपने बच्चों के लिए स्पष्ट नियम और अपेक्षाएं तय की हैं।

पूर्वस्कूली उम्र के बच्चे का सामाजिक और भावनात्मक विकास कई तरह से प्रभावित हो सकता है। पूर्वस्कूली उम्र के बच्चे का सामाजिक भावनात्मक विकास एक छोटे बच्चे के जीवन की कई विशेषताओं को प्रभावित करता हैए और पालन.पोषण इसमें एक भूमिका निभाता है कि प्रत्येक बच्चा विकास के लिए उपयुक्त सामाजिक और भावनात्मक कौशल कैसे प्राप्त करता है ;मेन्साए 2013द्ध। बच्चों के साथ माता.पिता का बंधन और पालन.पोषण की शैली कई उद्देश्यों को पूरा करती है। नैतिक एवं मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षणए बच्चों की प्रतिभा की वृद्धि एवं विकासए पहचानए कौशलए माता.पिता के दृष्टिकोण से समाज के नियमों एवं मानदंडों से परिचित कराना इन उद्देश्यों में से हैं। ष्पार्सन्स परिवार के लिए दोहरे बुनियादी कार्यों के बारे में भी सोचते हैंए वह है बच्चे के व्यक्तित्व का समाजीकरण और समृद्धि।ष तो ऐसा लगता है कि माता.पिता की पालन.पोषण शैली बच्चों के व्यक्तित्व गुणों को प्रभावित कर सकती है ;एज़ाज़ीए 1997द्ध।

पेरेंटिंग शैलियों को व्यवहार के एक सेट या प्रणाली के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो विभिन्न स्थितियों में माता.पिता और बच्चे की बातचीत का वर्णन करता है और एक प्रभावी बातचीत का माहौल बनाता है ;माहेरए 2006द्ध। शैक्षिक उपलब्धि का अर्थ है शिक्षा के अपेक्षित स्तर की पूर्तिए और एक शिक्षा संगठन अपने पूर्व निर्धारित लक्ष्यों तक पहुंचता है ;पूर्कारिमीए 2010द्ध। लेकिनए हमारे मन में यह सवाल आता है कि क्या शैक्षणिक सफलता का संबंध माता.पिता की पालन.पोषण शैली से है। और दूसरी बातए पालन.पोषण की वह कौन सी शैली है जो छात्रों को सबसे अधिक प्रभावित करती है। इसलिएए यह अध्ययन पटना जिले में माता.पिता की पालन.पोषण शैली और बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंधों की जांच करना चाहता है। इस अध्ययन मेंए अन्वेषक का उद्देश्य यह पता लगाना था कि क्या पालन.पोषण शैलियों और छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के बीच कोई संबंध है और माता.पिता अपने बच्चों के इलाज के लिए कौन सी पालन.पोषण शैली अपनाते हैं।

जयपॉल द्वारा किए गए अध्ययन में कहा गया है किए पिता की आधिकारिक पालन.पोषण शैली और घर पर पिता. बच्चे की शैक्षणिक बातचीत बच्चों के सामाजिक व्यवहार से सकारात्मक रूप से संबंधित थी। माँ की अधिनायकवादी पालन.पोषण शैली नकारात्मक थी और माँ.स्कूल संपर्क बच्चों के सामाजिक व्यवहार से सकारात्मक रूप से जुड़ा था ;जयपॉलए 2006द्ध। अध्ययनों से संकेत मिलता है कि बच्चे के शैक्षणिक कौशल और सामाजिक व्यवहार दोनों को सुविधाजनक बनाने के लिए पिता के पालन.पोषण का प्रभाव माताओं के पालन.पोषण पर पड़ता है। प्रारंभिक स्कूली शिक्षा में पालन.पोषण शैलियोंए अभिभावक.शैक्षणिक गतिविधियों और अभिभावक.स्कूल संपर्कों की भूमिकाओं पर चर्चा की गई है ;जयपॉलए 2006द्ध। बियाबांगर्ड ने एक अध्ययन में हाई स्कूल के ग्रेड तीन के छात्रों की पालन.पोषण शैलीए रचनात्मकता और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंधों की जांच की और दिखाया कि परिवार के भावनात्मक माहौल और रचनात्मकता के बीच काफी सकारात्मक संबंध था। इसके अलावाए रचनात्मकता और तानाशाही पालन. पोषण शैली के बीच एक महत्वपूर्ण नकारात्मक संबंध था और परिवार के भावनात्मक माहौलए पूरण स्वतंत्रता में गिरावट और रचनात्मकता ;बियाबांगर्डए 2006द्ध के बीच कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण संबंध नहीं था।

ममत द्वारा 2011 में किए गए अध्ययन से पता चला है कि माता और पिता की आधिकारिक शैली का बच्चों के व्यवहार और स्कूल की उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीतए अनुज्ञावादी और सत्तावादी शैलियों का बच्चों के व्यवहार और स्कूल की उपलब्धि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है ;ममतए 2011द्ध। केफायत अध्ययन के अनुसार जिसका शीर्षक था ष्अहवाज़ में हाई स्कूल की पहली कक्षा के छात्रों की रचनात्मकता के साथ पालन.पोषण की शैली और दृष्टिकोण के संबंध और बुद्धिमत्ताए शैक्षिक उपलब्धि और प्रगतिवादी व्यवहार के साथ इसके संबंध की जांचष और निष्कर्ष निकाला कि दोनों के बीच एक नकारात्मक सहसंबंध था। विभिन्न पालन.पोषण शैलियाँ और रचनात्मकता ;केफ़ायतए 2012द्ध। 2013 में किए गए अध्ययन से पता चला कि अधिकांश माता.पिता अपने बच्चों के पालन.पोषण में आधिकारिक पालन.पोषण शैली अपनाते हैं। यह भी पता चला कि पालन.पोषण शैली का छात्रों के सामाजिक विकास पर प्रभाव पड़ता है ;मेन्साए 2013द्ध। इस अध्ययन ने उदार पालन.पोषण शैली और हाई स्कूल स्तर पर शिक्षार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन पर उनके प्रभाव के बीच इस अंतर को भरने का प्रयास किया है। शिक्षार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन पर अन्य पालन.पोषण शैलियों जैसे कि सत्तावादीए अधिनायकवादी और उपेक्षापूर्ण के प्रभाव की जांच करना इस अध्ययन के दायरे से परे होगा ;सेठए 2013द्ध। प्रभुत्वशाली पालन.पोषण की शैली अधिनायकवादी हैए जो परिवार की निम्न सामाजिक स्थिति और आर्थिक स्तर से जुड़ी है। एक आधिकारिक शैली के साथ पालन.पोषणए जो

अधिक गंभीर सत्तावादी शैली से अलग हैए उच्च शैक्षणिक उपलब्धि के संदर्भ में अधिक सफल परिणाम दिखाता है ;काशाहूए 2014द्ध।

यह अध्ययन बिहार में कामकाजी माता.पिता की पालन.पोषण शैली और उनके बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सीमित अध्ययन के कारण हुआ। इसलिए यह अध्ययन माता.पिता को उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए बेहतर पालन.पोषण शैली अपनाने में मदद कर सकता है। इस अध्ययन में उचित उत्तर पाने के लिए कुछ उद्देश्यों का पालन किया गया। वे हैंए

• कामकाजी माता.पिता के बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन में विभिन्न पालन.पोषण शैलियों और इसके प्रभाव का अध्ययन करना।

• विभिन्न प्रकार की पालन.पोषण शैली का उनके सामाजिक जनसांख्यिकीय कारकों के साथ अध्ययन करना

• अंगमाली नगर पालिका में कामकाजी माता.पिता के बीच सबसे अधिक लागू होने वाली पालन.पोषण शैली का पता लगाना

• अंगमाली नगर पालिका में बच्चों के बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए कामकाजी माता.पिता में सबसे प्रभावी पालन. पोषण शैली का पता लगाना।

तरीका

यह एक वर्णनात्मक सांख्यिकी अध्ययन है जो पटना जिले के पटना नगर पालिका में किया जाता है। 3256 विद्यार्थियों में से 195 विद्यार्थियों को नमूने के रूप में यादृच्छिक रूप से चुना गया। स्व.निर्मित प्रश्नावली की वैधताए विश्वसनीयता और सामान्यता की जाँच के बाद अध्ययन में नियोजित किया गया था। प्रश्नावली के स्वरूप और सामग्री की वैधता निर्धारित करने के लिएए प्राथमिक प्रश्नावली दो प्रोफेसरों और विशेषज्ञों को दी गई थी और उनकी राय प्राप्त करने के बादए प्रश्नावली में आवश्यक परिवर्तन लागू किए गए थेए इस प्रकारए प्रश्नावली की वस्तुओं को संशोधित किया गया और प्रोफेसरों की राय को ध्यान में रखते हुए पुष्टि की गई। रायण अध्ययन के उप चर आधिकारिक पालन.पोषण शैलीए सत्तावादी पालन.पोषण शैलीए अनुमोदक पालन.पोषण शैलीए लोकतांत्रिक पालन.पोषण शैली और अनुलग्नक पालन.पोषण शैली थे। एक परीक्षण विश्वसनीय होता है यदि यह एक ही समूह के लोगों को कम समय में कई बार दिया जाता है और परिणाम सुसंगत होते हैं। प्रश्नावली से डेटा का विश्लेषण करने के बादए उनकी विश्वसनीयता गुणांक ;क्रोनबैक का अल्फाद्ध को मंजूरी दी गई थी। अध्ययन जनसंख्या के संबंध में स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण विधि और लॉटरी तकनीक का उपयोग किया गया। समीक्षाएँ डेटा के द्वितीयक स्रोतों जैसे पुस्तकोंए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओंए इंटरनेटए पत्रिकाओं और बिहार और भारत में आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं की रिपोर्टों का उपयोग करके एकत्र की गईं।

निष्कर्ष और चर्चा

यह अध्ययन ब्बच्चों की पेरेंटिंग शैली और शैक्षणिक प्रदर्शनरू अंगमाली नगर पालिका में कामकाजी माता.पिता के बीच एक अध्ययनष के बीच आयोजित किया गया। इस अध्ययन के निष्कर्षों और चर्चा को नीचे समझाया गया है।

• अंगमाली नगर पालिका में कामकाजी माता.पिता अलग.अलग पालन.पोषण शैली का उपयोग करते हैं। प्रत्येक पालन. पोषण की शैली अद्वितीय और एक.दूसरे से भिन्न होती है। 195 उत्तरदाताओं में सेए 81 उत्तरदाता आधिकारिक पालन. पोषण शैली का अभ्यास करते हैंए 39 उत्तरदाता अनुलग्नक पालन.पोषण शैली का अभ्यास करते हैंए 21 उत्तरदाता अनुमोदक शैली का अभ्यास करते हैंए 27 उत्तरदाता लोकतांत्रिक और शेष सत्तावादी पालन.पोषण शैली का अभ्यास करते हैं।

• कामकाजी माता.पिता के बच्चों की पालन.पोषण शैली और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच एक संबंध है। पेरेंटिंग शैली बच्चों को बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए प्रभावित करती है।

• अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उनके बच्चों के पालन.पोषण की शैली और शैक्षणिक प्रदर्शन को जानना है। जिन बच्चों को आधिकारिक पालन.पोषण शैली द्वारा निर्देशित किया जाता हैए उन्होंने अन्य सभी पालन.पोषण शैलियों की तुलना

में बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन हासिल किया है। आधिकारिक पालन.पोषण शैली का पालन करने वाले माता.पिता के बच्चों का शैक्षणिक प्रदर्शन अन्य पालन.पोषण शैली की तुलना में बेहतर होता है। जो माता.पिता आधिकारिक पालन. पोषण शैली अपनाते हैंए वे व्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हैं और इसलिए उनका शैक्षणिक प्रदर्शन बहुत अच्छा होता है।

• जिम्मेदारी के साथ स्वतंत्रता आधिकारिक पालन.पोषण शैली का प्रमुख कारक हैए जो बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए बहुत महत्वपूर्ण कारक है। बच्चों की वैयक्तिकता का सम्मान करना आधिकारिक पालन.पोषण शैली का आवश्यक विचार है। यह सामाजिक कार्य पेशे में सिद्धांतों में से एक है।

• वर्तमान अध्ययन के नतीजे यह निष्कर्ष निकालते हैं कि माता.पिता की विशेषताएं जैसे समर्थन और गर्मजोशी एक छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहती हैं।

• जो माता.पिता बच्चे की भावनाओं और जरूरतों के प्रति बहुत अधिक संवेदनशील होते हैं उनका शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर होता है।

• बच्चे के परेशान होने पर माता.पिता की सांत्वना देने की क्षमता या तत्परता भी पालन.पोषण शैली में एक प्रमुख भूमिका निभाती है। उत्तरदाताओं की योग्यता अथवा तत्परता इस प्रकार है। उत्तरदाताओं की संख्या 26: है

बच्चे के परेशान होने पर आराम देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैंए 32: उत्तरदाता कई बारए 25: उत्तरदाता कभी. कभीए शेष 17: उत्तरदाता बहुत कम ही बच्चे के परेशान होने पर आराम देने के लिए तैयार होते हैं।

• बच्चे द्वारा चुने गए कुछ विकल्पों का स्वागत करने और उन पर विचार करने की माता.पिता की क्षमता भी पालन. पोषण शैली का एक प्रमुख कारक है। जो माता.पिता बच्चे की विशिष्टता का सम्मान करते हैंए वे उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में उल्लेखनीय बदलाव लाते हैं क्योंकि वे बच्चे को परिवार में एक समान सदस्य मानते हैं।

• जो माता.पिता अक्सर बच्चे को दिए गए विशेषाधिकारों को छीनकर दंडित करते हैंए वे बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन में कोई उल्लेखनीय बदलाव नहीं लाएंगे।

• बच्चे के सुधार के लिए माता.पिता की सकारात्मक या रचनात्मक आलोचना का बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।

• बच्चे के अवांछित व्यवहार के कारण माता.पिता का सुधार हमेशा स्कूल में बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

• जो माता.पिता बच्चे के व्यवहार को नजरअंदाज करते हैंए वे बच्चे को बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए हतोत्साहित करते हैं।

• जो माता.पिता बच्चे को साधारण गलतियों के लिए दंडित करते हैंए वह बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए भी खतरनाक है।

• जो माता.पिता बच्चे को चुनाव करने की आजादी देते हैंए बच्चे को गलतियाँ सुधारने के लिए प्रोत्साहित करते हैंए साथ ही बच्चे से अप्रिय चर्चाओं से बचते हैंए वह बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए बहुत प्रासंगिक है।

• किसी बच्चे को उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने में मदद के लिए माता.पिता की ओर से गर्मजोशी और समर्थन बहुत महत्वपूर्ण है। वे माता.पिता जो बच्चे के साथ मजाक करते हैं और खेलते हैं वे इस गर्मजोशी और समर्थन का अभ्यास करते हैं।

• माता.पिता द्वारा बच्चे को अपनी परेशानियों के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित करना उनकी पालन.पोषण शैली में बच्चे को दी गई स्वतंत्रता को दर्शाता है। जिम्मेदारी के साथ स्वतंत्रता बच्चे के जीवन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने का प्रमुख कारक है।

• उत्तरदाता समझता है कि पालन.पोषण में बच्चे की भावनाएँ भी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

• इस अध्ययन के निष्कर्षों और निष्कर्षों के आधार परए शोधकर्ता अनुशंसा करते हैं कि पूर्वस्कूली आयु वर्ग के बच्चों के माता.पिता अपने बच्चे के सामाजिक भावनात्मक विकास की वृद्धि और विकास में सहायता के लिए आधिकारिक पालन.पोषण प्रथाओं में संलग्न हों। जब माता.पिता ऐसी पालन.पोषण प्रथाओं में संलग्न होते हैं जो उच्च मानक और अपेक्षाएँ निर्धारित करते हैंए फिर भी स्वतंत्रता को सुनते हैं और प्रोत्साहित करते हैंए तो बच्चे उच्च स्तर के शैक्षणिक प्रदर्शन और सामाजिक भावनात्मक विकास भी दिखाते हैं।

• माता.पिता की भावनाओं और असहमति को बच्चे के सामने व्यक्त करने में झिझक बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने में बिल्कुल भी मदद नहीं करती है।

• जो माता.पिता बच्चे को चोट लगने पर सहानुभूति दिखाते हैंए वे बच्चे की मदद नहीं करेंगेए बल्कि उन्हें सहानुभूति दिखानी चाहिए। बच्चे के साथ महसूस करना सहानुभूति का मुख्य विचार है

सुझाव

इस अध्ययन से सामने आए कुछ सुझाव इस प्रकार हैंए माता.पिता को पालन.पोषण की शैली के बारे में जागरूकता की आवश्यकता है क्योंकि अधिकांश माता.पिता पालन.पोषण की शैली से अनभिज्ञ हैं। यह सामाजिक कार्य के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस पेशे का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वयं की मदद करने में सक्षम बनाना है। यह जागरूकता माता.पिता को अपने बच्चों के लिए बेहतर पालन.पोषण शैली चुनने में मदद करती है। विभिन्न पालन.पोषण शैली के प्रशिक्षण से माता.पिता को अपने बच्चों के लिए बेहतर पालन.पोषण शैली अपनाने में मदद मिलेगी। सामाजिक कार्य की दृष्टि से यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें व्यक्ति की विशिष्टता एवं गरिमा को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। माता.पिता को अपने बच्चों की पेरेंटिंग शैली और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच संबंध के बारे में पता होना चाहिए और उन्हें यह भी पता होना चाहिए कि कौन सी पेरेंटिंग शैली उनके बच्चे को बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन में मदद करेगी। इस विषय पर अनुदैर्ध्य अध्ययन अनुसंधान किया जाना चाहिए। चूँकि यह एक प्रासंगिक और दिलचस्प विषय है और इस पर एक अनुदैर्ध्य शोध अध्ययन की आवश्यकता है।

सिफारिशों

• चूंकि शोध का नमूना माता.पिता तक ही सीमित हैए इसलिए यह संभावना है कि ;सामाजिक जनसांख्यिकीय कारकद्ध उम्रए शिक्षाए सामाजिक स्थितिए संस्कृतिए कार्यस्थल इत्यादि जैसे कारक पालन.पोषण शैली को प्रभावित करते हैंए इसलिएए इनका अध्ययन करने का सुझाव दिया गया है वही आगामी अध्ययनों में कारक

• छात्रों के सुधार और जवाबदेही और परिणामस्वरूप कैरियर पथ में मदद करने के लिए माता.पिता के लिए पालन.पोषण शैलियों की प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कार्यशाला आयोजित करें

• विभिन्न पालन.पोषण शैली और बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन में इसके प्रभाव को समझने के लिए हस्तक्षेप अध्ययन का उपयोग किया जा सकता है

• यह अध्ययन बिहार के संदर्भ में विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में क्रियान्वित किया जा सकता है

निष्कर्ष

बच्चों की शिक्षा और पालन.पोषण की शैली के बीच एक मौजूदा संबंध है। पेरेंटिंग शैली का बच्चों पर प्रभाव एक वास्तविकता है। हम यह नहीं कह सकते कि पालन.पोषण की कोई खास शैली अच्छी है और कोई बुरीए सब कुछ परिस्थितियों और माता.पिता के व्यक्तित्व के साथ.साथ बच्चे की विशेषताओं पर भी निर्भर करता है। पेरेंटिंग शैलियों और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध माता.पिता अपने बच्चों की शैक्षिक गतिविधियों में शामिल होकर अपने बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ावा देने में प्रत्यक्ष भूमिका निभा सकते हैं। जो माता.पिता अपने छोटे बच्चों को होमवर्क में मदद करकेए उन्हें पढ़ाकर और शैक्षिक खेल खेलकर उनकी शिक्षा में सीधे भाग लेते हैंए उनके बच्चे अकादमिक रूप से प्रासंगिक कार्यों में उत्कृष्ट होते हैं। पालन.पोषण की शैली में बदलाव करके बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार किया जा सकता हैए यह इस अध्ययन का एक तथ्य है। यदि शिक्षक पालन.पोषण की शैली से अवगत हों तो शिक्षक भी विद्यार्थियों को उनकी शिक्षा में बहुत अच्छी मदद कर सकते हैं।

संदर्भ

एलेक्सए एसण्एण ;2018ए जनवरी.मार्चद्ध। कामकाजी और गैर.कामकाजी माताओं की पालन.पोषण शैली और व्यवहार संबंधी समस्याओं पर उनके बच्चों के स्वभाव के बीच एक तुलनात्मक अध्ययनरू स्कूल जाने वाले बच्चों के बीच। द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजीए 6;1द्ध। डीओआई: 10.25215/0601.016

बॉमरिंडए डीण ;1991द्ध। किशोरों की क्षमता और मादक द्रव्यों के उपयोग पर पालन.पोषण शैली का प्रभाव। प्रारंभिक किशोरावस्था का जर्नलए 11;1द्धए 56.95। डीओआई: 10.1177/0272431691111004

बियाबांगर्डए ईण ;2006द्धण तेहरान के तीसरे वर्ष के हाई स्कूल के छात्रों में आत्म.सम्मानए उपलब्धि प्रेरणा और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध। मनोवैज्ञानिक अध्ययनए 4;3द्धए 131.4ण

ब्लूस्टोनए सीण टी.एलण ;1999द्ध। मुख्य रूप से कामकाजी और मध्यम वर्ग की अफ्रीकी अमेरिकी माताओं में पालन.पोषण शैलियों का सहसंबंध। जर्नल ऑफ मैरिज एंड द फैमिलीए 61;4द्धए 881.893। http://www.jstor.org/discover/10.2307/354010?uid=3738672&uid=2&uid= 4&sid=21101477968133 से लिया गया

एज़ाज़ीए एसण ;1997द्ध। पारिवारिक समाजशास्त्र समकालीन काल में परिवार की भूमिकाए संरचना और कार्य पर जोर देता है। प्रबुद्ध महिला अध्ययनए 16ण

जयपॉलए आरण *ण ;2006द्ध। अंग्रेजी बोलने वाले कैरेबियन आप्रवासियों के छोटे बच्चों में पालन.पोषण की शैलीए माता.पिता.बच्चे की शैक्षणिक बातचीतए माता.पिता.स्कूल की बातचीत और प्रारंभिक शैक्षणिक कौशल और सामाजिक व्यवहार के बीच संबंध। प्रारंभिक बचपन अनुसंधान त्रैमासिक, 238-252। doi:10.1016/j.ecresq.2006.04.007

जौहरी तालिबए जेड़एमण ;2011ए मईद्ध। वर्ल्ड जर्नल ऑफ सोशल साइंसेजए 1;2द्धए 14.35। से लिया गया :https://www.researchgate.net/publication/265025870

काशाहूए एलण ;2014ए मईद्ध। माता.पिता की जनसांख्यिकीए पालन.पोषण की शैली और छात्र की शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध। यूरोपीय वैज्ञानिक जर्नलए 10;13द्ध।

केफायतए एमण ;2012द्ध। अहवाज़ के प्रथम वर्ष के हाई स्कूल के छात्रों की रचनात्मकता के साथ दृष्टिकोण और पालन.पोषण प्रथाओं के बीच संबंध। चमरान विश्वविद्यालय।

किम्बलेए बीण ;2014द्ध। पालन.पोषण की शैलियाँ और आयाम प्रश्नावलीरू एक पुनर्संकल्पना और सत्यापन। ओक्लाहोमा स्टेट यूनिवर्सिटीरू यूएस नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ। https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC4927255/ से लिया गया

मैहरए केण्एमण ;2006द्ध। सामान्य की तुलना में किशोरों में पालन.पोषण की प्रथाएँ और किशोर आचरण विकार।खोरासेगन शाखा का जर्नलए 46.63।

ममतए जेण टीण ;2011ए मईद्ध। बच्चों के विकास पर पालन.पोषण शैली का प्रभाव। वर्ल्ड जर्नल ऑफ सोशल साइंसेजए 2ए 14.35। https://www.researchgate.net/publication/265025870 से लिया गया

मेन्साए एमण्केण ;2013ए नवंबरद्ध। बच्चों के सामाजिक विकास पर पालन.पोषण की शैलियों का प्रभाव। अंतःविषय अध्ययन के अकादमिक जर्नलए 2;3द्ध। doi:10.5901/ajis.2013.v2n3p123

मिलेव्स्कीए एण्एसण ;2007द्ध। किशोरों में मातृ एवं पितृ पालन शैलीरू आत्म.सम्मानए अवसाद और जीवन.संतुष्टि के साथ संबंध। ण जर्नल ऑफ चाइल्ड एंड फैमिली स्टडीजए 16(1), 39-47। doi:10.1007/s10826- 00

पुरकारिमीए जेण ;2010द्ध। स्व.रोज़गार और गैर.स्व.रोज़गार कृषि स्नातकों में नौकरी से संतुष्टि और प्रेरणा की तुलना। उच्च शिक्षा में अनुसंधान और योजना जर्नलए 15;1द्धए 155.75।

सेठए एमण आर. (2013, जून)। हाई स्कूल स्तर पर शिक्षार्थियों के शैक्षिक प्रदर्शन पर कृपालु पालन.पोषण शैली का प्रभाव। 2(6).